

कनाडा की हिन्द-प्रशांत रणनीति

प्रश्न पत्र-2 (भारत और विदेश संबंध, अंतर्राष्ट्रीय संगठन और समूह)

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में कनाडा द्वारा घोषित इंडो-पैसिफिक रणनीति चीन के खिलाफ कठोर कदम को दर्शाती है और भारत के साथ घनिष्ठ जुड़ाव को उसकी सफलता के लिए महत्वपूर्ण मानती है।

कनाडा की भारत-प्रशांत रणनीति

- कनाडा इस क्षेत्र के विविध अवसरों का लाभ उठाने और मौजूदा तथा उभरती रणनीतिक चुनौतियों का समाधान करने में अपना योगदान देने के लिए एक सक्रिय भागीदार बनना चाहता है।

रणनीति द्वारा उल्लिखित पांच उद्देश्य:

- शांति, लचीलापन और सुरक्षा को बढ़ावा देना।
- व्यापार, निवेश और आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन का विस्तार करना।
- लोगों से संपर्क स्थापित करना तथा निवेश करना।
- एक स्थायी और हरित भविष्य का निर्माण करना।
- इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के लिए एक सक्रिय और प्रमुख भागीदार बनना।

चीन के प्रति रणनीति

- यह चीन की रणनीतिक और प्रेरित निवेशों, जबरदस्ती के दृष्टिकोण, कानूनों के मनमानी आवेदन, सैन्य क्षमताओं और अपने लाभ के लिए अंतर्राष्ट्रीय आदेश को फिर से संगठित करने के प्रयासों के बारे में चिंताओं के साथ चीन की चुनौती को रेखांकित करता है।

भारत के साथ जुड़ाव:

- कनाडा, जिसकी 20% आबादी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र से सम्बन्ध रखती है, इंडो-पैसिफिक की अवधारणा को अपनाने वाला अंतिम G-7 राष्ट्र है।

- ✘ यह "एशिया पैसिफिक" के साथ पहले अधिक सहज रहा है।
- ✘ पिछले साल से, ऐसी श्रृंखला ने कनाडा की चीन नीति में बदलाव का संकेत दिया, जिसमें चीनी राज्य कंपनियों को अपने महत्वपूर्ण खनिजों और खानों के उद्योग को नियंत्रित करने से रोकने के लिए निवेश नियमों को अचानक कड़ा करना शामिल है।
- ✘ कनाडा की संसद ने अपने उद्गर अल्पसंख्यकों के साथ चीन के व्यवहार को "नरसंहार" घोषित करने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया।
- ✘ भारत ने 1947 में कनाडा के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए।
- ✘ अप्रैल, 2015 में भारत के प्रधानमंत्री की कनाडा यात्रा ने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी में बदल दिया।
- ✘ हाल के वर्षों में, दोनों देश आपसी महत्व के कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं।
- ✘ व्यापार और आर्थिक संबंधों की समीक्षा के लिए एक वार्षिक व्यापार मंत्रिस्तरीय संवाद को संस्थागत बनाया गया है।
- ✘ दोनों पक्ष एक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते के लिए तकनीकी बातचीत में लगे हुए हैं जिसमें वस्तुओं, सेवाओं, निवेश, व्यापार सुविधा आदि शामिल हैं।
- ✘ मई, 1974 में भारत के स्माइलिंग बुद्धा परमाणु परीक्षण के मद्देनजर भारत-कनाडाई संबंध बिगड़ गए, जब कनाडा सरकार ने भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ द्विपक्षीय परमाणु सहयोग को तोड़ दिया।
- ✘ हालाँकि, जून, 2010 में, कनाडा के साथ एक परमाणु सहयोग समझौते (NCA) पर हस्ताक्षर किए गए जो सितंबर, 2013 में लागू हुआ।
- ✘ NCA के लिए उपयुक्त व्यवस्था (एए) पर मार्च, 2013 में हस्ताक्षर किए गए थे, जिसके तहत असैन्य परमाणु सहयोग पर एक संयुक्त समिति का गठन किया गया था।
- ✘ भारत और कनाडा 1990 के दशक से मुख्य रूप से अंतरिक्ष विज्ञान, पृथ्वी अवलोकन, उपग्रह प्रक्षेपण सेवाओं और अंतरिक्ष मिशनों के लिए जमीनी समर्थन पर अंतरिक्ष के क्षेत्र में सफल सहकारी और वाणिज्यिक संबंधों को आगे बढ़ा रहे हैं।
- ✘ इसरो और कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी (सीएसए) ने अक्टूबर, 1996 और मार्च, 2003 में बाह्य अंतरिक्ष की खोज एवं उपयोग के क्षेत्र में दो समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए।
- ✘ इसरो की वाणिज्यिक शाखा एंट्रिक्स ने कनाडा के कई नैनो उपग्रह प्रक्षेपित किए हैं।
- ✘ इसरो ने 12 जनवरी, 2018 को लॉन्च किए गए अपने 100वें उपग्रह के साथ पीएसएलवी में भारतीय अंतरिक्ष केंद्र श्रीहरिकोटा, आंध्र प्रदेश से कनाडा के पहले लियो उपग्रह को भी प्रक्षेपित किया।
- ✘ 2009 में संघीय स्तर पर कृषि सहयोग पर द्विपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस एमओयू के तहत स्थापित जेडब्ल्यूजी की पहली बैठक 2010 में नई दिल्ली में हुई थी, जिसके कारण उभरती प्रौद्योगिकियों में ज्ञान के आदान-प्रदान पर तीन उप-समूहों का निर्माण हुआ- पशु विकास और कृषि विपणन तथा दालों के लिए अलग से एक संयुक्त कार्यदल का गठन किया गया।

चुनौतियां

खालिस्तान मांग :

- ✘ सिख भारतीय डायस्पोरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, वे कनाडा की कुल आबादी का 1% भाग हैं।
- ✘ कनाडा में सक्रिय सिख अलगाववादी समूहों का मुद्दा भारत और कनाडा के बीच तनाव का मुख्य कारण बन गया है।
- ✘ जबकि सिख उग्रवाद भारत में काफी हद तक समाप्त हो गया है, किन्तु कनाडा में खालिस्तान आंदोलन के पुनरुद्धार के बारे में चिंता बनी हुई है।
- ✘ हाल ही में, टोरंटो के पास एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की गई और भारत विरोधी भित्तिचित्रों को विरूपित किया गया।
- ✘ इसके बावजूद, सिख प्रवासी कनाडा की संघीय राजनीति में, विशेष रूप से ब्रिटिश कोलंबिया और ओंटारियो के प्रांतों में एक प्रभावशाली महत्व रखते हैं।
- ✘ यह चिंता कि कनाडा अपनी धरती पर भारत विरोधी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने में धीमा है, रिश्ते में लगातार खटास पैदा करता रहा है।

संरचनात्मक बाधाएं:

- ✘ भारत को अभी भी जटिल श्रम कानूनों, बाजार संरक्षणवाद और नौकरशाही नियमों जैसी संरचनात्मक बाधाओं को दूर करना है।

अपर्याप्त व्यापार:

- ✘ भारत-कनाडा आर्थिक संबंधों ने कुछ प्रगति की है, किन्तु कनाडा, भारत के लिए एक महत्वहीन व्यापारिक भागीदार बना हुआ है।

आगे की राह

- ✘ कनाडा की इंडो-पैसिफिक रणनीति कहती है कि भारत का सामरिक महत्व तभी बढ़ सकता है जब इसकी अर्थव्यवस्था बढ़ती है और यह दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाता है।

